Hindi Murli Quiz 22-07-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	अभी वानप्रस्थ अवस्था में जाने का समय समीप आ रहा है-	इसलिए कमजोरियों के मेरे पन को वा व्यर्थ के खेल को समाप्त करो |
B	कहना, सोचना और करना समान बनाओ	तब कहेंगे ज्ञान स्वरूप।
C	जो ऐसे ज्ञान स्वरूप ज्ञानी तू आत्मायें हैं	उनका हर कर्म, संस्कार, गुण और कर्तव्य समर्थ बाप के समान होगा।
D	वे कभी व्यर्थ के	विचित्र खेल नहीं खेल सकते।
E	सदा परमात्म मिलन के खेल में बिजी रहेंगे।	एक बाप से मिलन मनायेंगे और औरों को बाप समान बनायेंगे।

Q.2) **Match the following**

	Choice	Match
A	यह आंखें ही धोखा देने वाली हैं इसलिए दृष्टान्त देते हैं कि	उसने अपनी आंखें निकाल दी।
B	आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट है। वह बजता रहता है। कोई फिर कहते हैं ड्रामा में नूँध है फिर हम पुरूषार्थ ही क्यों करें!	अरे, पुरूषार्थ बिगर तो पानी भी नहीं मिल सकता। ऐसे नहीं, ड्रामा अनुसार आपेही सब कुछ मिलेगा। कर्म तो जरूर करना ही है।
C	मैं ही तुमको कर्म, अकर्म, विकर्म की गति समझाता हूँ।	वहाँ तुम्हारे कर्म अकर्म हो जाते हैं, रावण राज्य में कर्म विकर्म हो जाते हैं।
D	गीता-पाठी भी कभी यह अर्थ नहीं समझाते, वह तो सिर्फ पढ़कर सुनाते हैं, संस्कृत में श्लोक सुनाकर फिर हिन्दी में अर्थ करते हैं। बाप कहते हैं कुछ-कुछ अक्षर ठीक हैं।	भगवानुवाच है परन्तु भगवान किसको कहा जाता है, यह किसी को पता नहीं है।
E	भक्ति है ब्राह्मणों की रात। ज्ञान है ब्रह्मा और ब्राह्मणों का दिन। जो अब प्रैक्टिकल में हो रहा है।	सीढ़ी में बड़ा क्लीयर दिखाया हुआ है।

Q.3) **सेवाओं का ____ छोटी-छोटी बीमारियों को मर्ज कर देता है।**

- उमंग
- umang
- umng
- umanag
- umnag

Q.4) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. ☑ मैं आत्मा कैसी हूँ, क्या हूँ.....? बाप कहते हैं जबकि अपने को आत्मा ही नहीं जानते हो, मुझे फिर क्या जानेंगे।

B. ☑ काम महाशत्रु है इसलिए बाबा के पास आते हैं तो कहते हैं जो विकर्म किये हैं, वह बताओ तो हल्का हो जायेगा, इसमें भी मुख्य विकार की बात है।

C. ☑ लक्ष्मी-नारायण को प्रेम का सागर कहा जा सकता है |

D. ☐ बाप आकर विकार बन्द कराते हैं तो कितना सहयोग मिलता है।

E. ☐ आत्मा को निर्लेप कह सकते हैं। आत्मा ही एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है। आत्मा अविनाशी है। है कितनी छोटी।

Explanation: आत्मा को निर्लेप नहीं कह सकते। तुम आत्मायें तो अमर हो। कभी मृत्यु को नहीं पाती हो। प्रेम के सागर भी बनते हो। यह लक्ष्मी-नारायण प्रेम के सागर हैं। कभी लड़ते-झगड़ते नहीं। यहाँ तो कितना लड़ते-झगड़ते हैं। बाप आकर विकार बन्द कराते हैं तो कितना मार पड़ती है।

Q.5) **इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -**

A. ☑ जो-जो काम की चीजें वहाँ के लायक हैं वह बनती हैं। स्टीमर बनाने वाले भी होते हैं ,वह भी वहाँ काम में आयेंगे।

B. ☐ लक्ष्मी का आह्वान करते हैं परन्तु यहाँ थोड़ेही आ सकती है। यह 5 तत्व भी बदलने चाहिए।

C. ☐ ताला उनका खुलेगा जो श्रीमत पर चलने लग पड़ेंगे और पतित-पावन बाप को याद करेंगे।

D. ☐ यह दुनिया भी पतित है, मनुष्य भी पतित हैं, 5 तत्व भी पतित हैं। वहाँ तुम्हारे लिए तत्व भी पवित्र चाहिए।

E. ☑ कृष्ण का तो गायन हुआ, उनको महात्मा कहते हैं क्योंकि गीता बैठ सुनाई है।

Explanation: कृष्ण का तो गायन हुआ, उनको महात्मा कहते हैं क्योंकि छोटा बच्चा है। जो-जो काम की चीजें वहाँ के लायक हैं वह बनती हैं। स्टीमर बनाने वाले भी होते हैं परन्तु स्टीमर तो वहाँ काम में नहीं आयेंगे।